

LOK SABHA DEBATES

2

LOK SABHA

Thursday, March 22, 1979/Chaitra 1,
1901 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the
Clock.

[MR SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

क्षय रोग के रोगी

427 श्री कृष्णलाल सिंह परस्ते : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने क्षय रोग के रोगियों की सख्या का तथा जिस वर्ग के लोगों में यह बीमारी सबसे अधिक होती है उसका पता लगाने के लिये कोई, राज्यवार सर्वेक्षण किया है, और

(ख) क्या इस रोग के प्रारम्भिक उपचार की समय पर उपलब्धता के अभाव में बहुत सी मर्तों होती हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री रवीश राव) : (क) देश में क्षय रोग कितना फैला हुआ है इसका पता लगाने के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने 1955-58 में क्षय रोग का एक राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण किया था। उसके बाद देश के भिन्न-भिन्न भागों में छाट-छाट सर्वेक्षण किये गए हैं। इन से पहले निकले इस निष्कर्ष की पुष्टि हो गयी है कि देश में लगभग 15 प्रतिशत लोग क्षय रोग से पीड़ित हैं। किसी समय में क्षय रोग आमचौर पर उसकी सामाजिक अवस्थाओं, उसमें पाये जाने वाले पोषण के स्तर और सफाई तथा रहने-सहने की दशाओं पर निर्भर करता है।

4881 L.S.—1

(ख) जी नहीं। देश के लगभग सभी जिलों में क्षय रोगियों का घर पर इलाज करने की व्यवस्था की गयी है।

श्री कृष्णलाल सिंह परस्ते : अध्यक्ष जी, मंत्री महाशय के उत्तर से ही प्रश्न बनता है कि आर्थिक और सामाजिक विषमताओं के कारण ही देश में अधिकतर यह क्षय रोग होता है। तो मेरा प्रश्न यह है कि 1955-58 में क्षय रोग का जो राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण किया गया था, उस के प्रतिवेदन के आधार पर कौन सी व्यवस्था क्षय रोगियों को चिकित्सा सुविधाएं देने के लिए की गई है ?

श्री रवीश राव : जो प्रश्न पूछा गया है उस सिलसिले में मैं इतना कहना चाहता हूँ कि क्षय रोग एक गरीबी और दारिद्र्य की उपज है और उस सिलसिले में डॉमिसिलियरी ट्रीटमेंट देने की व्यवस्था की है। मैं माननीय सदस्य को यह भी कहना चाहता हूँ कि ग्रामीण क्षेत्र में जन स्वास्थ्य रक्षकों की व्यवस्था हम लोग कर रहे हैं। उन्हीं के द्वारा हेल्थ के बारे में शिक्षा भी दी जा सकेगी। सरकार ने 1982-83 तक व्यापक रूप से सारे देश में जन स्वास्थ्य रक्षकों की व्यवस्था करने का इतजाम किया है जिससे कि आगे चल कर लोगों को हेल्थ के बारे में प्रशिक्षित किया जा सके।

श्री कृष्णलाल सिंह परस्ते : क्या देश के विभिन्न भागों में छाट-छाट सर्वेक्षण किये गये हैं ? यदि हा, तो कितने बार यह सर्वेक्षण हुआ है ? लगभग 1 प्रतिशत से अधिक व्यक्ति क्षय रोग से पीड़ित हैं तो इसकी रोकथाम की कौन-सी व्यवस्था की गयी है ?

श्री रवीश राव : मैंने माननीय सदस्यों को पहले भी कहा था अभी फिर उसका जिक्र करना चाहता हूँ कि करीब 9 मीलियन एक्टिव कीसज क्षय रोग के होत हैं। उनमें

टोटल पॉजिटिव 22 लाख होते हैं और 5-6 लाख के करीब केंसों में मरने की भी सूचना है। इस सिलसिले में जो फस्टलाइन ट्रीटमेंट हुआ करता है, उसमें सरकार की ओर से स्ट्रेप्टोमाइसिन, आई.एन.एच.एस. और पी.एस. दवाइयां मुफ्त बांटी जाती हैं लेकिन दूसरी दवाई रंफामाइसिन जो कि कीमती दवाई है, उसको हम लोग मुफ्त नहीं बांटते हैं। लेकिन हम लोग स्ट्रेप्टोमाइसिन, आई.एन.एच.एस. और पी.एस. दवाइयां सरकार की ओर से मुफ्त बांटते हैं।

SHRI M. ARUNACHALAM: Will the Minister be pleased to state whether proper steps have been taken to immunise children with BCG vaccination? Why cannot the Government make it compulsory that each new born baby should be vaccinated with BCG?

SHRI RABI RAY: So far as BCG vaccination is concerned, we have been giving them since 1951. But I would like to tell the hon. Member that regarding the effect of vaccination our ICMR is carrying a survey in Chengalpatju and we are awaiting the result of that survey.

SHRI SHAMBHU NATH CHATURVEDI: Since most affected people are the poorest of our population, may I know from the hon. Minister whether a provision has been made for the supply of medicine to those who are advised domiciliary treatment.

SHRI RABI RAY: I have already told that medicines are given free.

Comprehensive health Legislation

*429. **SHRI RAJ KESHAR SINGH:** Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government are proposing to have a single comprehensive health legislation, a National Health Insurance Scheme and adequate in-

frastructure for Primary Health Care with emphasis on preventive services;

(b) the salient features thereof; and

(c) the time by which the legislation is likely to be enacted?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI RABI RAY): (a) No, Sir. However, the Government has taken steps to provide adequate infrastructure for Primary Health Care with emphasis on preventive services.

(b) A statement on the steps taken by Government to provide adequate infrastructure for Primary Health Care is laid on the table of the Sabha

(c) Question does not arise.

Statement

(1) All uni-purpose workers and supervisors are being trained to become Multi-purpose Workers (M.P. Ws) and Supervisors. 65150 uni-purpose workers have been trained to become Multi-purpose Workers till December, 1978

(ii) The number of Multi-purpose Workers and Supervisors is being increased in a phased manner, so that there is one male and one female M.P.W. for every 5,000 rural population and one Multi-purpose Supervisor for every four M.P. Workers by 1987-88.

(iii) To train one member of the Community (to be selected by the community), from every village, to deliver Primary Health Services to a community of about 1000 persons under the Community Health Workers Scheme. The Scheme was launched in 733 Primary Health Centres on 2nd October, 1977 and has been extended to an additional 1056 Primary Health Centres from 2nd October, 1978. 66578, Community Health Workers have been trained upto December, 1978 and an-